

—: आदेश :—

30-08-2013

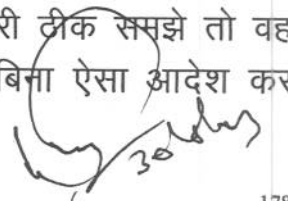
आवेदक श्री रामाधार सिंह, पिता—स्व० राजाराम सिंह, सा०+थाना—कोतवाली, जिला—पटना, स्थायी पता—ग्राम+पो०—नवादा वेन, गजराजगंज, जिला—भोजपुर (बाढ़) से प्राप्त एक डी०बी०बी०एल० गन शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन—पत्र पर शस्त्र अनुज्ञप्ति वाद संख्या—09—11/2005 कायम करते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से जाँच प्रतिवेदन प्राप्त कर सुनवाई की तिथि—30.08.2013 निर्धारित की गई।

पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक—30.08.2013 को सुनवाई की गयी। सुनवाई के क्रम में आवेदक के द्वारा उपस्थित होकर बताया गया कि वे कोतवाली थाना में आरक्षी के पद पर कार्यरत हैं। तदोपरान्त उनके द्वारा अपने जान—माल की सुरक्षा हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने का अनुरोध किया गया, परन्तु पूछने पर सुरक्षा भय के संबंध में कोई ठोस साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया।

वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना के पत्रांक—203/गो०, दिनांक—03.03.2012 द्वारा थानाध्यक्ष, कोतवाली द्वारा उल्लेखित किया गया है आवेदक का शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र बिना सत्यापन का लौटाते हुए, आवेदक वर्ष 2005 में कोतवाली थाना, पटना में पदस्थापित थे, जो स्थानान्तरित होकर अन्यत्र चले गये हैं। साथ ही आवेदक के स्थायी पते पर सत्यापन कराने का अभिमत दिया गया है। तदोपरान्त आवेदक का शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र बिना सत्यापन का मूल में आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजा गया है। थानाध्यक्ष, कोतवाली द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि वे कोतवाली थाना में आरक्षी के पद पर कार्यरत हैं। अपने जान—माल के सुरक्षार्थ शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने हेतु अनुरोध किया गया है, लेकिन आवेदक को विशेष सुरक्षा भय होने के संबंध में विशेष तथ्य प्रतिवेदित नहीं किया गया है। थानाध्यक्ष द्वारा जाँच प्रतिवेदन की कंडिका—10 के सभी बिन्दुओं पर कुछ भी प्रतिवेदित नहीं करने के बावजूद आवेदक को शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने की अनुशंसा की गयी है, लेकिन इसके लिए कोई कारण नहीं बताया गया है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13 (2) एवं 13 (2A) में अंकित है कि “आवेदन की प्राप्ति पर, अनुज्ञापन प्राधिकारी उस आवेदन पर निकटतम पुलिस थाने के भारसाधक ऑफिसर की रिपोर्ट मंगवाएगा और ऐसा ऑफिसर अपनी रिपोर्ट विहित समय के भीतर भेजेगा। अनुज्ञापन प्राधिकारी ऐसी जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात्, जैसा वह आवश्यक समझे, और उप—धारा (2) के अधीन प्राप्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अध्याय के अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए, लिखित आदेश द्वारा अनुज्ञप्ति या तो अनुदत्त करेगा या अनुदत्त करने से इन्कार करेगा :

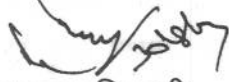
परन्तु जहाँ निकटतम पुलिस थाने का भारसाधक ऑफिसर आवेदन पर विहित समय के भीतर अपनी रिपोर्ट नहीं भेजता है, वहाँ यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी ठीक समझे तो वह विहित समय के अवसान के पश्चात्, उस रिपोर्ट की और प्रतीक्षा किए बिना ऐसा आदेश कर सकेगा।”



वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन, आवेदक के आवेदन एवं उनके द्वारा उपस्थित होकर रखे गये तथ्यों एवं अभिलेख में संलग्न कागजातों के सूक्ष्मता पूर्वक अवलोकन के पश्चात अधोहस्ताक्षरी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि आवेदक को सुरक्षा के बिन्दु पर कोई विशेष सुरक्षा भय/खतरा नहीं है तथा उन्हें एक डी०बी०बी०एल० गन हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत किए जाने का कोई यथेष्ट कारण नहीं है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13, शस्त्र नियम 1962 में निहित शक्तियों एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में सम्यक विचारोपरान्त आवेदक श्री रामाधार सिंह, पिता-स्व० राजाराम सिंह, सा०+थाना-कोतवाली, जिला-पटना, स्थायी पता-ग्राम+पो०-नवादा वेन, गजराजगंज, जिला-भोजपुर (बाढ़) के आवेदित एक डी०बी०बी०एल० गन अनुज्ञप्ति आवेदन-पत्र को अस्वीकृत किया जाता है।

बाढ़ की कार्रवाई समाप्त की जाती है।
लेखापित एवं संशोधित।



जिला दण्डाधिकारी,
पटना।



जिला दण्डाधिकारी,
पटना।